तू दाती असी मंगते तेरे

तू दाती असी मांगते तेरे बन बन खड़े सवाली,
तेनु दाती किसे नी कहना जे अज मुड़ गए खाली,
तू दाती असी मांगते तेरे.....

सोने चांदी दा कि मंगन्ना किरपा मंगिए तेरी,
बस मैया जय तेरे चरणा दे विच लग जे विनती मेरी,
तू चाहवे तां कंगले ते वी सिर ते ताज रखावे,
ना चाहवे तों राजे तों वी दर दर भीख मँगावे,
तू दाती असी मंगते तेरे.....

ना सोने दा छत्तर चढ़ाया ना कोई भेंट ले आयीं,
मैं मस्तानी तेरे नाम दी मेनू होश ना कोई,
मैं पापी तू बक्सणहारी अर्ज़ करां दर तेरे,
अंत समय जद कुका बजिया तू पर्दे कज लई मेरे,
तू दाती असी मंगते तेरे.....

जप ले नाम ते कर ले सेवा कर्म कमा लई कोई,
कम दा कि परवासा नी जिन्दे अज मोई कल मोई,
उस वेले मरजाणे माना कोण सुनू अरजोई,
जिस दिन चार कहारा मोड़े चकलों चकलों होई,
तू दाती ऐसी मंगते तेरे.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/7311/title/tu-dati-asi-mangte-tere-ban-abn-khade-sawali-tenu-dati-kise-ni-kehna-je-aj-mud-gaye-khaali

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |